अभ्यास पत्र – 9 Subject: - हिंदी कक्षा - चार Teacher: - Mrs. Jitender Kaur

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: ___.08.2020

5

मदनमोहन मालवीय

पाठ की सीख
- दृढ़ संकल्प • मेहनत
- सेवा भाव • सूझ-बूझ

पंडित मदनमोहन मालवीय काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक थे। इन्होंने इस विश्वविद्यालय को बनवाने के लिए दिन-रात मेहनत की। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद् होने के साथ-साथ सच्चे समाज-सुधारक भी थे। उनका जन्म 25 दिसंबर, 1861 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में हुआ था। मालवीय जी हर प्राणी से प्यार करते थे। सभी के प्रति दया भाव उनमें कूट-कूटकर भरा था। उनका सपना एक ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना करना था जहाँ लड़कों के साथ-साथ लड़कियों के लिए भी आगे बढ़ने के समान अवसर हों।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना करने की धुन में उन्होंने अपना सर्वस्व त्याग दिया और अपना घर-परिवार छोड़कर काशी (वाराणसी) पहुँच गए। इस विश्वविद्यालय की स्थापना करने के लिए इन्होंने घूम-घूमकर धन इकट्ठा करने का निश्चय किया। उनका धन इकट्ठा करने का ढंग निराला था। मालवीय जी के शब्दों में जादू था। उनके भाषणों को

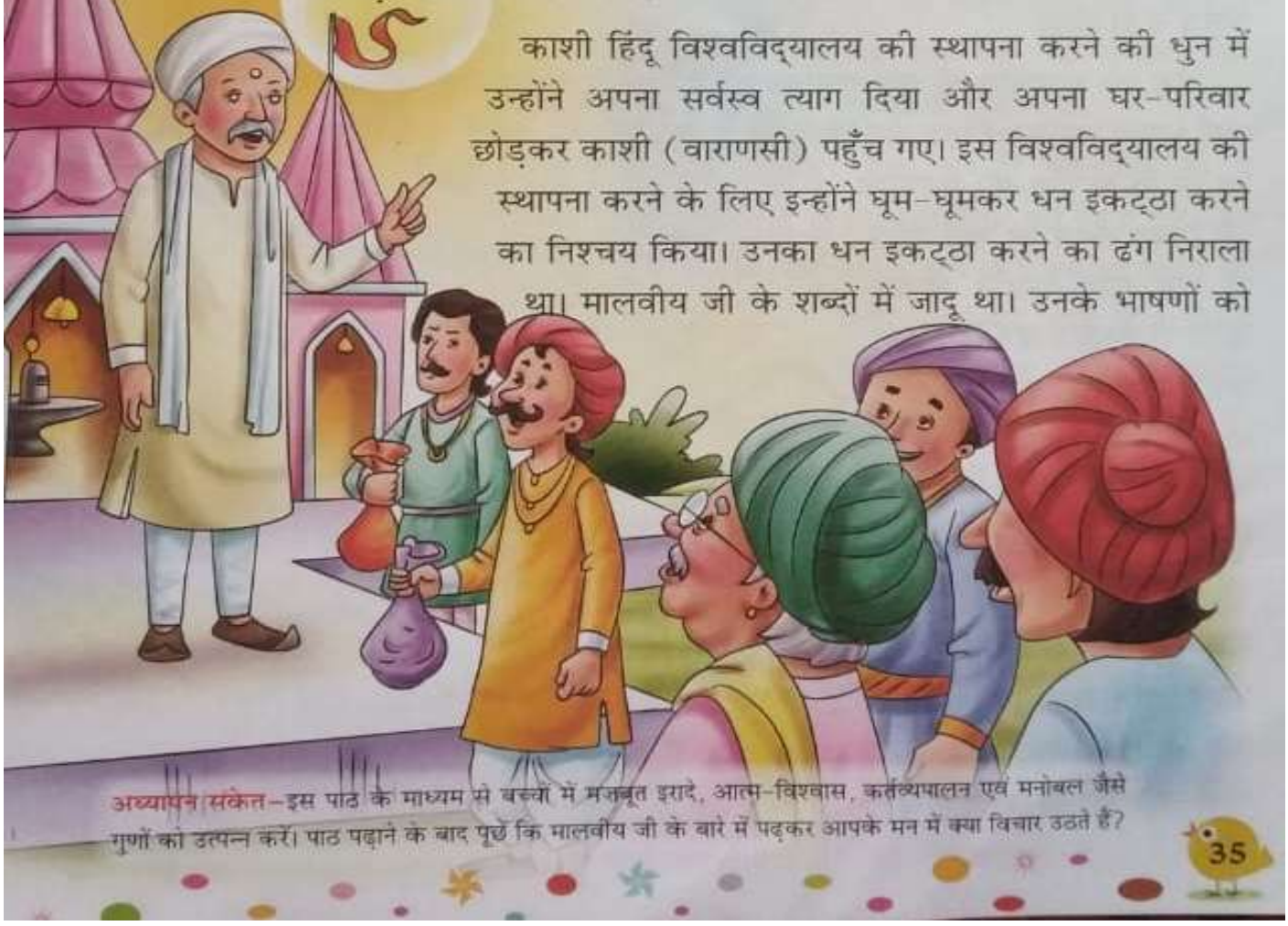

अध्यापन संकेत–इस पाठ के माध्यम से बच्चों में मजबूत इरादे, आत्म-विश्वास, कर्तव्यपालन एवं मनोबल जैसे गुणों को उत्पन्न करें। पाठ पढ़ाने के बाद पूछें कि मालवीय जी के बारे में पढ़कर आपके मन में क्या विचार उठते हैं?

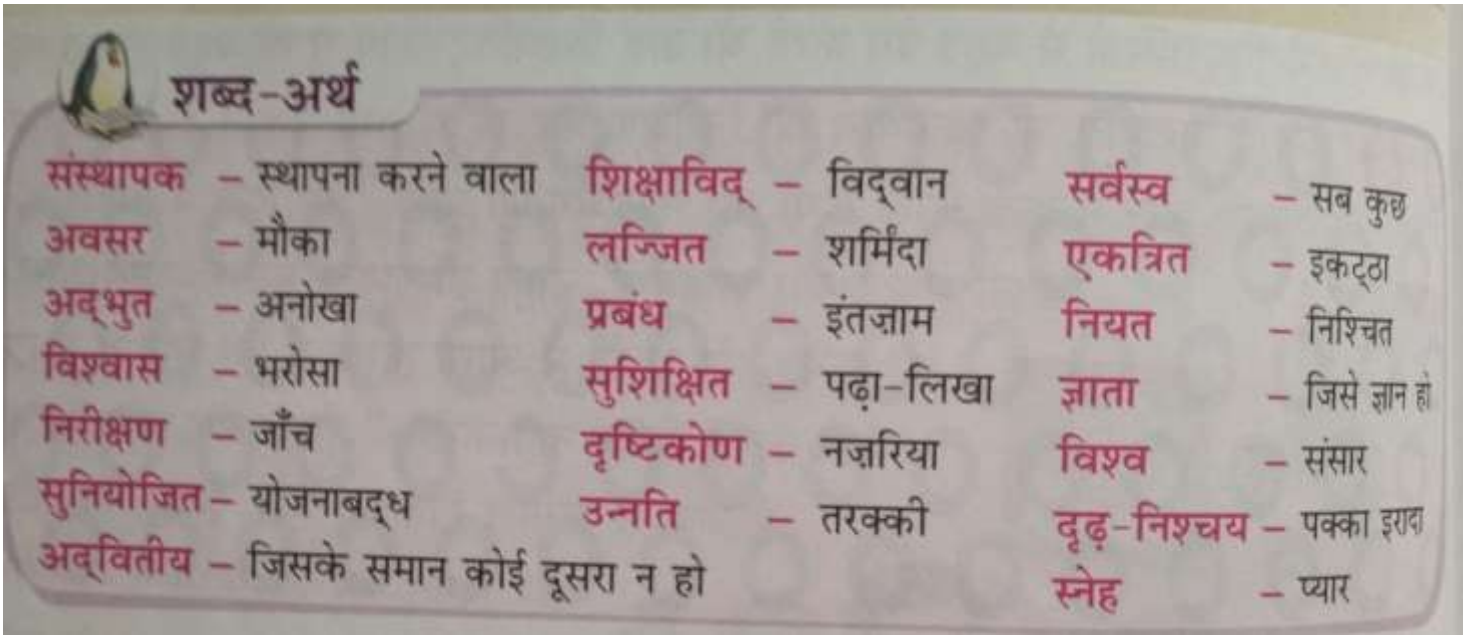

शब्द-अर्थ

संस्थापक – स्थापना करने वाला
अवसर – मौका
अद्‌भुत – अनोखा
विश्वास – भरोसा
निरीक्षण – जाँच
सुनियोजित – योजनाबद्‌ध
अद्‌वितीय – जिसके समान कोई दूसरा न हो

शिक्षाविद् – विद्‌वान
लज्जित – शर्मिंदा
प्रबंध – इंतज़ाम
सुशिक्षित – पढ़ा-लिखा
दृष्टिकोण – नज़रिया
उन्नति – तरक्की

सर्वस्व – सब कुछ
एकत्रित – इकट्‌ठा
नियत – निश्चित
ज्ञाता – जिसे ज्ञान हो
विश्व – संसार
दृढ़-निश्चय – पक्का इरादा
स्नेह – प्यार